प्रोजेक्ट एलीफेंट की संचालन समिति की बैठक

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में **देहरादून** स्थित **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (IGNFA)** में आयोजित प्रोजेक्ट एलीफेंट की 21वीं संचालन समिति की बैठक में मानव-हाथी संघर्ष जैसे **महत्त्वपूर्ण मुद्दे** के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया गया।

- बैठक में **संघर्ष प्रबंधन** हेतु **कार्य योजनाओं** सहित चल रही पहलों की **समीक्षा** की गई तथा **संरक्षण प्रयासों** में **स्थानीय समुदायों की भागीदारी** पर ज़ोर दिया गया।

मुख्य बिंदु

- **हाथी के बारे में:**
- **हाथी** भारत का प्राकृतिक विरासत पशु है।
- इन्हें "कीस्टोन प्रजाति" माना जाता है, क्योंकि ये वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन तथा स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
    - ये अपनी **असाधारण बुद्धि** के लिये प्रसिद्ध हैं तथा इनका **मस्तिष्क** किसी भी **स्थलीय प्राणी** की तुलना में **सबसे बड़ा** होता है।
- भारतीय हाथी (*Elephas maximus*) मध्य एवं दक्षिणी पश्चिमी घाट, **पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी भारत, उत्तरी भारत तथा** दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों में पाया जाता है।
- इसे भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की **अनुसूची-I** में तथा वनस्पतियों और जीवों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के **परिशिष्ट-I** में शामिल किया गया है।
- एशियाई हाथियों (भारतीय) को आवास क्षति, मानव-हाथी संघर्ष तथा अवैध शिकार के कारण IUCN रेड लिस्ट **में लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत** किया गया है।
- **प्रोजेक्ट एलीफेंट:**
    - **प्रोजेक्ट एलीफेंट** को भारत सरकार द्वारा वर्ष **1992** में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में निम्नलिखित **उद्देश्यों** के साथ प्रारंभ किया गया था:
        - हाथियों, उनके आवास तथा गलियारों की सुरक्षा करना
        - मानव-हाथी संघर्ष के मुद्दों का समाधान करना
        - बंदी हाथियों का कल्याण सुनिश्चित करना
    - **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** इस योजना के अंतर्गत देश के प्रमुख हाथी क्षेत्रों वाले राज्यों को वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान करता है।
- **शिवालिक हाथी रिज़र्व, उत्तराखंड:**
    - इसकी स्थापना वर्ष **2002** में **प्रोजेक्ट एलीफेंट** पहल के एक भाग के रूप में की गई थी।
    - यह भारत के **हाथियों के सर्वाधिक घनत्व** वाले क्षेत्रों में से एक है।
    - इस **रिज़र्व** में राजाजी राष्ट्रीय उद्यान, कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व तथा सोनानदी वन्यजीव अभयारण्य सहित अनेक **संरक्षित क्षेत्र** सम्मिलित हैं।

नोट:

- **विश्व हाथी दिवस** प्रतिवर्ष **12 अगस्त** को मनाया जाता है ताकि जंगलों में एशियाई तथा अफ्रीकी हाथियों की संरक्षण स्थिति और उनके समक्ष उपस्थित चुनौतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।
- वर्ष 2025 में यह समारोह कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित किया जाएगा, जहाँ हाथी संरक्षण में योगदान के लिये प्रतिष्ठित **'गज गौरव' पुरस्कार भी प्रदान किये जाएंगे।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/steering-committee-meeting-of-project-elephant